सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 9
अंक : 101
जून : 2018

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | सम्पादकीय

8 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- भारत-बांग्लादेश ने किया 129.5 किमी तेल पाइप-लाइन पर समझौता
- बेंगलूरू देश का सर्वाधिक वेतन भुगतान करने वाला शहर
- भारत कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक
- 12 नए परमाणु बिजलीघर स्थापित करने की योजना

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री मोदी ने मोतिहारी में सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह का आह्वान किया
- बच्चियों से रेप पर होगी फाँसी की सजा, अध्यादेश को मंजूरी
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना लॉन्च की

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वीडन, ब्रिटेन तथा जर्मनी की यात्रा सम्पन्न
- भारत–कोरिया गणराज्य में समझौता
- भारत और संयुक्त अरब अमीरात में कई मुद्दों पर समझौता

31 | खेल खिलाड़ी

- एफआईबीए बास्केटबाल विश्व कप, 2019 के शुभंकर का अनावरण
- कॉमनवेल्थ गेम्स, 2018 का समापन भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर
- स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक वर्ष का प्रतिबन्ध
- युकी भांबरी ने दो साल के बाद शीर्ष 100 में वापसी की
- समीर वर्मा ने जीता ओरलियांस मास्टर्स, 2018 का खिताब
- केरल ने बंगाल को हराकर संतोष ट्रॉफी खिताब जीता

35 | विज्ञान समाचार

37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

41 | सामान्य जागरूकता–आगामी रेलवे प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु विशेष

लेख

44 | समसामयिक लेख–डिजिटल भारत की परिकल्पना

45 | शैक्षिक लेख–वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली का शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में भूमिका

46 | ऊर्जा लेख–ईंधन और उसके प्रकार

49 | कॅरियर लेख–कर्म द्वारा ही→जिन्दगी आपकी→एवं→ सफलता भी

87 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-98 का परिणाम

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

आरबीआई असिस्टेंट परीक्षा, 2017

51 | तर्कशक्ति

54 | English Language

57 | संख्यात्मक अभियोग्यता

61 | मध्य प्रदेश एकीकृत बाल विकास सेवा भर्ती परीक्षा, 2017 (महिला पर्यवेक्षक एवं पर्यवेक्षक महिला आँगनवाड़ी कार्यकर्ता)

70 | मध्य प्रदेश पटवारी परीक्षा, 2017

75 | आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

83 | आगामी आर.आर.बी. की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष हल-प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

सम्पादकीय

बालकोचित उत्साह का विकास कीजिए

"Childhood is the kingdom, where nobody dies."
—Edna Mitlay

15वीं और 16वीं शताब्दियों का इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है. ये भारत और यूरोप में पुनर्जागृति का सन्देश लेकर आई थीं. यूरोप में बालक ईसा की मान्यता का श्रीगणेश हुआ था. भारत में महाप्रभु बल्लभाचार्यजी ने बालक कृष्ण की उपासना की परम्परा का प्रवर्तन किया. रामभक्त तुलसीदास और कृष्णभक्त सूरदास ने क्रमशः श्रीराम और श्रीकृष्ण में ब्रह्म की अवधारणा की. तुलसीदास ने अपने इष्टदेव श्रीराम के माध्यम से हिन्दू समाज को जीवन की साधना का मार्ग दिखाया और सूरदास ने अपने आराध्य के लीला वर्णन में जीवन का हँसता-खेलता रूप दिखाया.

यदि किसी व्यक्ति अथवा राष्ट्र को मारना हो, तो उससे उसका बचपन छीन लो, वह बालकोचित उत्साह से रहित होकर बिना मारे, अपनी मौत मर जाएगा.

जिस व्यक्ति में बालकोचित उत्साह बना रहता है, वह कभी बूढ़ा नहीं होता है, क्योंकि वह बालकों की भाँति नई कल्पनाएं करता है, नई योजनाएं बनाता रहता है और कुछ-न-कुछ करता रहता है. बालक की भाँति उत्साह से पूरित व्यक्ति न कभी निश्चेष्ट होता है और न कभी जड़वत् बनता है. सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा है कि "अपनी बेटी की मीठी-मीठी बातें सुनकर मैंने अपना बचपन पुनः प्राप्त कर लिया था और मैं जीवन के प्रति उत्साह से भर गई थी."

संसार के समस्त चिन्तक एक स्वर से स्वीकार करते हैं कि जीवन की समस्त साधनाओं का लक्ष्य बालकोचित सरलता एवं चिरंतन उत्साह की प्राप्ति होना चाहिए. इसाईयों के पवित्र ग्रन्थ इंजील में पूरे विश्वास के साथ कहा गया है कि यदि स्वर्ग में पहुँचने की इच्छा है, तो पहले बालक बनो मंतव्य स्पष्ट है. हमारे जो युवक-युवतियाँ जीवन में कुछ उपलब्ध करना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि वे अपने भीतर बालकोचित उत्साह बनाए रखें और बालक की भाँति अपने कार्य के प्रति उत्साहित बने रहें. बालक खड़े होने और पैदल चलने के प्रयास में कितनी ही बार क्यों न गिरे, बार-बार असफल हो, परन्तु वह मानता नहीं है और अन्ततः अपने पैरों पर खड़ा होकर और पैरों चलकर ही मानता है. मैंने कई वर्ष पूर्व बौद्ध धर्मगुरु माननीय श्री दलाई लामा और थियोसोफिकल सोसायटी के अन्तर्राष्ट्रीय सभापति स्व. श्री जौन कोट्स को बातें करते हुए देखा-सुना था, वे बालकों की भाँति सरलतापूर्वक बातें कर रहे थे, सहज भाव से हँस रहे थे और उतने ही सहज भाव से भावी कार्यक्रम की योजनाएं बना रहे थे. आप भी बालकों की भाँति ध्यानावस्थित होकर अपनी भावी योजना पर विचार कीजिए और फिर उसको कार्यान्वित करने में इस प्रकार लग जाएं मानो खेल रहे हों. बालकोचित उत्साह का तात्पर्य है कभी भी कम न होने वाली लक्ष्य के प्रति निष्ठा कार्य की इस पद्धति में निराशा एवं असफलता के लिए कोई स्थान नहीं होता है. विख्यात कवि रबीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने इस कथन द्वारा मानो जीवन का अमृत उड़ेल दिया है कि "जीवन में महत्वाकांक्षाएं बालक के रूप में आती हैं. प्रत्येक बालक यह सन्देश लेकर आता है कि ईश्वर अभी मनुष्यों से निराश नहीं हुआ है." बालक जन्म के समय रोता है, क्योंकि वह सर्वथा अनजानी दुनिया में अनजाने व्यक्तियों के मध्य आ गया है, परन्तु वह शीघ्र ही समझ जाता है कि उसे यहाँ रहकर पिता बनना है. वह तत्काल अपने कर्तव्य और कर्तव्यपथ का निर्धारण कर लेता है और सबको अपना बना लेता है, जो लोग विषमतम और अजनबी परिस्थितियों में अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपना पथ प्रशस्त करते हैं, वे एक बालक की भाँति निरन्तर बढ़ते हुए चले जाते हैं. आप बच्चों की तरह आशावान और बड़े होने का संकल्प करके देखिए बालक की कल्पना शक्ति आपके अन्तर्मन से प्रस्फुटित होगी और आप राई को पर्वत बनाने में समर्थ हो जाएंगे. अंग्रेजी के रोमांटिक कवि वर्डस्वर्थ के इस कथन में जीवन की गहन अनुभूति छिपी हुई है—"Child is the father of man" अर्थात् बालक वस्तुतः मनुष्य का जनक होता है. वह जानता है कि वह यहाँ पिता बनने के लिए, समाज को कुछ देने के लिए आया है. हमारे युवा मित्रों को भी समझ लेना चाहिए कि वे कुछ बनकर ही अपने प्रति उपकार करने वालों के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह कर सकेंगे. एक समझदार बालक अपने पिता को जानता है—अपने बनाने वाले की शक्ति को जानता है और अनुभव करता है कि पिता की अमोघ शक्ति के अंश रूप में वह जन्मा है. आप भी अपने अन्तस में अमोघ शक्ति के स्फुल्लिंग की अनुभूति कीजिए. एक समझदार बालक की भाँति आप भी अपने को अमोघ शक्ति का स्वामी मानने लग जाएंगे. महात्मा गांधी ने एक स्थान पर लिखा है कि "सत्य, अहिंसा का पाठ मैंने बालक से सीखा है."